प्रेस नोट

करौली, कानपुर के सर्वधर्म सम्मेलन में सार्वभौम मानवधर्म का प्रतिपादन

कानपुर। वैसे तो सर्वधर्म सम्मेलन तो देशभर में होते ही रहते हैं। लेकिन कानपुर के करौली ग्राम में 23 अप्रैल को होने जा रहा सर्वधर्म सम्मेलन अनोखा है। इसमें विभिन्न धर्मों के विशेषज्ञ तो एकत्रित होंगे ही लेकिन वे अपने–अपने धर्मों के नीति उपदेशों पर चर्चा कर इस बात को समझने का प्रयास करेंगे कि सार्वभौम मानवधर्म का अर्थ क्या है ? विगत वर्षों से यह महसूस किया जा रहा है कि विभिन्न धर्मावलंबी आपस में एक दूसरे के साथ सम्मान एवं विश्वास के साथ व्यवहार करें। इसे लेकर दुनियाभर में इंटरफेथ–सेमीनार होते रहते हैं। दुनियाभर में मानव के असल धर्म की पहचान की कवायद चल रही है। विभिन्न धर्म परम्पराएं मानव धर्म की बातें तो पहले से ही करती रही हैं। पश्चिम में भी विगत दो सौ वर्षों में मानववाद का प्रतिपादन और विकास हुआ है। जिसका प्रभाव कला, साहित्य, विज्ञान और प्रजातंत्र से होता हुआ विधि–व्यवस्थाओं तक गया। अनेक वैश्विक संगठन मानववाद से प्रभावित एवं प्रेरित हैं। धीरे–धीरे मानववादी दृष्टिकोण का दायरा बढ़ रहा है। यद्यपि मानव का सम्पूर्ण अध्ययन दर्शन, वाद, शास्त्र और संविधान के आधार पर आधुनिक शिक्षा में नहीं है। सम्मेलन के उपरांत एक हफ्ते का प्रबोधन शिविर आयोजित किया जाएगा। कानपुर के इस अद्‌भुत सर्वधर्म सम्मेलन में सर्वमानव को एक करने वाले सार्वभौम मानव धर्म एवं सार्वभौम मानवीय आचरण पर विमर्श होगा। यह सम्मेलन मानव मंदिर, लवकुश आश्रम, ग्राम करौली, कानपुर में आगामी 23 अप्रैल, 2012 को आयोजित होगा।

इस सम्मेलन की अवधारणा के पीछे मध्यस्थ दर्शन सह–अस्तिततवाद के प्रणेता श्री ए. नागराज हैं जिन्होंने 25 वर्षों तक गहन साधना कर अस्तित्वमूलक मानव केंद्रित चिंतन किया और **सम्पुर्ण अस्तित्व, वास्तविकता को "जैसे है, वैसे ही" समझा, अनुभव किया, मानव के प्रयोजन को समझा,** मानवीय सूत्रों का अनुभव किया, तथा स्थिर मानवीय आचरण की पहचान कर सार्वभौम मानव धर्म की व्याख्या प्रस्तुत की है, जिसके आधार पर मानवीय आचरणसूत्र, मानवीय आचार संहिता, मानवीय संविधान तथा सार्वभौम व्यवस्था की सूत्र व्याख्या संभव हुई है।

करौली, कानपुर में इसके अध्ययन–शोध एवं इसे प्रमाणित करने के उद्देश्य से 'मानव मंदिर' की स्थापना की गई है। जहां अध्ययेता एवं प्रबोधक के रूप में आईटी कंपनी से त्यागपत्र देकर पूना निवासी श्रीराम नरसिम्हन और **हिंदुस्तान लीवर कंपनी** से त्यागपत्र देकर उनकी पत्नी श्रीमती गौरी ने अध्ययन–शोध का दायित्व स्वीकार किया है। **स्वेच्छा पूर्वक आने वालों का स्वागत है| अधिक जानकारी के लिए सम्मेलन वेब साईट** www.madhyasth.info **देखें, फोन संपर्क:** 9907794154, 9403765359